ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-5* Issue-5* August-2020
Anthology : The Research

कोविड–19 की रोकथाम में आँगनबाडी सेविकाओं की भूमिका– एक विश्लेषण

Role pf Anganwadi Workers in Prevention of Covid-19 - An Analysis

Paper Submission: 14/08/2020, Date of Acceptance: 25/08/2020, Date of Publication: 26/08/2020

प्रभात रंजन
शोधार्थी
वाणिज्य विभाग,
बी0आर0ए0 बिहार
विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर,
बिहार, भारत

सारांश

कोरोना वायरस रोग (कोविड–19) एक नया वायरस के कारण होने वाला एक संक्रामक रोग है। यह बिमारी खाँसी, बुखार और अधिक गंभीर मामलो में साँस लेने मे कठिनाई जैसे लक्ष्णो के साथ श्वसन रोग (फ्लू की तरह) का कारण बनती है। आप अपने हाथों को बार–बार धोकर अपने चेहरे को छुने से और किसी भी लोगों के साथ निकट संपर्क (01 मीटर) से बचने के द्वारा अपनी रक्षा कर सकते है।

कोविड–19 को रोकने के लिए पंचायत स्तर पर वैश्विक महामारी के चरण में आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ती महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कुल 13.77 लाख आँगनवाड़ी केन्द्र पूरे देश भर में कार्यरत है।

बिहार एवं अन्य राज्य के स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता बिना सुरक्षाकिट के बाहरी व्यक्ति के निकट संर्पक में नही आना चाहते है, ऐसी स्थिती में आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ती गाँव में दैनिक आधार पर घर–घर जाकर आँकड़ो को एकत्रित कर रही है और संबंधित आँकड़ो को उचित माध्यम के द्वारा जिला नियंत्रण कक्ष को समर्पित किया जाता है। आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ती द्वारा उन लोगो के घर के दिवार पर पोस्टर चिपकाया जा रहा है जिसमें यह अनुरोध किया गया है कि 14 (चौदह) दिन अपने घर के अंदर ही रहें।

हम इस शोध पत्र के माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहते है कि आँगनवाड़ी कार्यकर्त्तियों के लिए व्यक्तिगत सुरक्षात्मक किट (पी0पी0ई0) एवं आँक्सोमीटर जैसे आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराया जाए ताकि इनके द्वारा भयमुक्त होकर कर्त्तव्यों का निर्वहन किया जा सके।

Corona virus disease (COVID-19) is an infectious disease caused by a new virus.

This disease causes respiratory illness (like the flu) with symptoms such as a cough, fever and in more severe cases,difficulty in breathing. You can protect yourself by washing your hands frequently,avoiding touch your face and avoiding close contact (1 meter) with any people.

The Anganwadi workers are playing a vital role in prevention of COVID-19 In the phase of Globalised epidemic at panchayat level. There are total 13.77 lakh anganwadi centre which are working in India. The health worker of Bihar & other state are not want to close to the outsider person without protection kit,In such situation anganwadi workers visiting door to door on daily basis in villages for collecting the data and submitting the such data to District control Room through proper channel.

The Anganwadi workers are pasting posters on the wall of house of those people who are coming from outside in which it has been requested that 14 days remain inside his house,on the other hand state government has assigned the task to CDPO for monitoring the people coming from outside through the App *CHAKSHU- THE COVID TRACKER".*

We would like to request the government through this paper to Provide a Protection kit (PPE) and Oxometer for the Anganwadi workers,So that they can also perform the duty without fear.

मुख्य शब्द : कोविड –19, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती, होम आइसोलेशन।
Covid-19,Anganwadi Worker, Home isolation.

प्रस्तावना

हाल के दिनों में पहचान में आए कोरोना नामक वायरस द्वारा फैलायी जानेवाली एक संक्रामक बीमारी है। चीन के बुहान शहर से शुरू होने वाली इस

बिमारी की चपेट में वर्तमान में विश्व के अधिकांश देश आ गये है। इस बीमारी के विश्वव्यापी प्रसार और होने वाली मौतों की बडी संख्या के मद्देनजर विश्व स्वास्थ संगठन (WHO) ने इसे माहामारी घोषित किया है। आँकडो के आधार पर महामारी की भयावहता की संभावना व्यक्त करते हुए रोकथाम के त्वरित और कारगार कदम उठाये जाने के संबंध में भी विश्व स्वास्थ संगठन (WHO) की ओर से एडवाईजरी जारी की गई है। भारत और ऐसे अन्य देशों जहाँ स्वास्थ्य संबंधी आधारभुत सुविधाओं पर जनसंख्या का अत्यधिक दबाव है, को विशेष रूप से आगाह किया गया है। कोरोना वायरस के संक्रमण और उससे होने वाली मौतों के आँकडों के आाधार पर विशेषज्ञों ने यह दर्शाने की कोशिश की है कि उन देशों में कोरोना वायरस का संक्रमण और मौतो की संख्या अपेक्षाकृत कम रही जिन्होने त्वरित रोकथाम के कारगार उपाय किए, दूसरी ओर अधिक साधन सम्पन्न होने के बावजुद उन देशों में सक्रंमण और उससे होने वाली मौतों की संख्या काफी अधिक रही है जिन्होने रोकथाम के उपायों को अपनाने में देरी की और आरंभ में गंभीरता नही दिखलाई। पहली श्रेणी के देशों में ताईवान, जापान, दक्षिण कोरिया, सिगापुर जैसे देशो का उल्लेख विशेष रूप से किया गया है जिसका सत्यापन वर्णित देशों के संबंधित मंत्रालय एवं अन्य प्रमाणिक स्त्रोतो द्वारा प्रस्तुत आँकड़ो से होता है यथा दिनांक 21.01.2020 को चीन के बुहान में पढ़ाने वाली 50 वर्षीय महिला से इस वायरस को ताईवान में फैलने की पुष्टि की गई थी, तदोपरांत 19.03.2020 से विदेशी नागरिकों को कुछ अपवादों के साथ ताईवान में प्रवेश करने से रोक दिया गया था। द जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन का कहना है कि ताईवान इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए 124 असतत कार्रवाई में लगा हुआ है, ताईवान द्वारा कोरोना के प्रकोप से निपटने के लिए किये गये कार्रवाई के लिए अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा मिली है। दिनांक 30.08.2020 तक ताईवान में कुल 1,73,081 कोविड– 19 परीक्षण आयोजित किये गये थे, जिसमें अधिकांश में कोरोना वायरस की पुष्टि नही हुई थी और मात्र 07 (सात) लोगो की मृत्यु कोरोना वायरस के कारण हुई। जापान की बात की जाए तो दिनांक 28.08.2020 तक कुल 14,20,589 लोगों का कोरोना परीक्षण किया गया जिसमें मात्र 65,573 लोग कोरोना पोजीटिव पाये गये और 1,238 लोगो की मृत्यु कोरोना से हुई। कोरोना वायरस के मद्देनजर जापान की सरकार ने मार्च 2020 के अंत में होने वाली वसंत की छुट्टीयों से दो हफ्ते पहले ही सभी स्कूलों को बंद कर दिया था और सभी सार्वजनिक आयोजन रद्द कर दिये गये। सिंगापुर में कोरोना के प्रभावों का अवलोकन किया जाए तो कोरोना से प्रथम प्रभावित व्यक्ति की पुष्टि 23 जनवरी 2020 को हुई। मार्च–अप्रैल 2020 के अंत तक विदेशी कर्मचारी के वजह से नये मामले में भारी अनुपात में योगदान दिया। कोविड–19 के खिलाफ लड़ने के लिए सिंगापुर ने 03.04.2020 को एक कड़े सेट की धोषणा की, जिसे सामुहिक रूप से ''सर्किट ब्रेकर'' कहा गया। सिंगापुर में कोरोना वायरस को लेकर पहले से ही सजग था। इसने कोरोना को रोकने के लिए समय रहते ही अंतराष्ट्रीय यात्राओं पर प्रतिबंध लगा दिया। चीन के बाद कोरोना वायरस सिंगापुर ही पहुँचा था लेकिन सरकार की तैयारी व्यवस्थित होने के कारण संक्रमण में अधिक वृद्धि नही हो पाई। दुसरी श्रेणी के देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील, इर्टली, स्पेन, ब्रिटेन जैसे देशों का दृष्टांत दिया जाता है, जहाँ उपलब्ध उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाए भी संक्रमण की बड़ी संख्या और गंभीरता के समक्ष ना काफी साबित हुई। संक्रमण की बड़ी संख्या के कारण लोगों को चिकित्सीय सुविधाए उपलब्ध कराना संभव ही नही हो पाया,दिनांक 30.08.2020 तक सिर्फ संयुक्त राज्य अमेरिका में 1,82,149 लोगो की मौत ईलाज के अभाव में कोरोना से हो गई।

अध्ययन का उद्देश्य

भारत और विशेष रूप से स्थानीय संदर्भ में यथा बिहार की बात की जाए तो जनसंख्या के अनुपात में स्वास्थ्य सुविधाए संबंधी आधारभूत संरचनाए, चिकित्सक और सहायक चिकित्सीय कर्मी सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता संबंधी आँकड़ा चिंताजनक है। दिनांक 24.03.2018 को इंडिया टूडे द्वारा प्रकाशित आँकड़ो के आधार पर बिहार में कुल 17,685 लोगों की जनसंख्या पर मात्र 01 चिकित्सक की सुविधा उपलब्ध है एवं राष्ट्रीय स्तर पर कुल 11,097 लोगो की जनसंख्या पर 01 चिकित्सक उपलब्ध हैं एवं भारत के अस्पतालों में 31 लाख नर्सिंग सहायक हैं, जबकि दुनिया भर में 4.35 करोड़ स्वास्थ्य कर्मी हैं, विश्व स्वास्थ संगठन (WHO) के मुताबिक 01 हजार आबादी पर 03 नर्स होनी चाहिए, लेकिन भारत में यह अनुपात 1:7 है, यानी नर्सो पर दोहरा दबाव है। ऐसी स्थिति में स्थानीय स्तर पर संक्रमण की रोकथाम के त्वरित कदम ही इस विश्वव्यापी महामारी से बचाव का एकमात्र उपाय माना जा सकता है। आवश्यक चिकित्सीय सुविधाओं की अर्प्यापता वाले हमारे समाज में संक्रमण की रोकथाम के लिए सबसे आवश्यक है कि व्यक्ति को स्वयं और अपने आस पास के लोगों को सुरक्षित रखने के प्रति जागरूक किया जाए। संक्रमण के खतरे के प्रति जागरूक व्यक्ति और समुदाय के बीच कोरोना वायरस के प्रारंभिक लक्षणों की जानकारी और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक वायरस के पहुँचने के माध्यमों की जानकारी देकर उन्हें स्वयं और अपने समुदाय को कोरोना के संक्रमण से बचाने में सक्षम बनाया जा सकता है। घनी आबादी और अपेक्षाकृत कम जागरूक हमारी बड़ी आबादी के बीच वाह्य स्तर पर कार्यरत आँगनबाड़ी सेविकाओं की इस कार्य में भूमिका काफी महत्वपूर्ण और प्रभावी सिद्ध हो सकती है। वार्ड स्तर पर कार्यरत ये आँगनबाड़ी सेविकाएँ स्थानीय जन समूह विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों के बीच चलाई जाने वाली स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी विभिन्न सरकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) अथवा अन्य संगठनों द्वारा संचालित, प्रायोजित अथवा संपोषित कार्यक्रमों के सूत्रधार की भूमिका पहले से ही हैं। इस क्रम में क्षेत्र की लगभग संपूर्ण आबादी से उनका पूर्व परिचय होने की स्थिति में कोरोना महामारी की रोकथाम के उपायों के प्रचार–प्रसार का कार्य उनके माध्यम से त्वरित और कारगर साबित हुआ है। स्थानीय, पूर्व परिचित,

स्थानीय जनसमूह से व्यक्तिगत रूप से जुड़े होने के कारण लक्ष्य समूह के बीच इनकी पहुँच सुगम है। भारत में लगभग 12 लाख आँगनबाड़ी कार्यकर्ता और 09 लाख आशा कार्यकर्ता है जबकि बिहार के कुल 38 जिलों में 1,83,354 आँगनबाड़ी कार्यकर्ता यथा सेविका एवं सहायिकाएँ कार्यरत है। उनके द्वारा बताए गए उपाय पोषक क्षेत्र के लोगों के बीच सहज स्वीकार्य है। यहीं नही, प्रारंभिक लक्ष्णों के आधार पर संक्रमितों की पहचान बिना विलंब के उन्हें परिवार एवं समुदाय से पृथक रखने हेतु उपाय भी स्थानीय स्तर की इस कार्यकर्ती के लिए अपेक्षाकृत अधिक आसान है। हाथों को साबुन से बार–बार अच्छी तरह धोना और अपने शरीर और आसपास को साफ और स्वच्छ रखने के प्रति लक्ष्य समूह को आगाह करने के कार्य ये पूर्व से ही करती रही है। ऐसे में वर्तमान परिपेक्ष्य में इस प्रकार का जागरूकता अभियान इनके स्तर से चलाया जाना सरल है।कोरोना संक्रमित के प्रारंभिक चरणों में स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलानें में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। प्रवासियों की पहचान कर उनका नियमित अनुश्रवण और संक्रमितो के संपर्क में आने वालों की खोज और आइसोलेशन में रह रहे मरीजों से संपर्क की जिम्मेदारी भी ये संभाल रही है और कंटटेनमेंट जोन में भी घर–घर जाकर सूचनाएँ एकत्र कर रही है साथ ही अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेवारी का कार्य इनके द्वारा सम्यक रूपेण निर्वहन भी किया गया है।कोरोना संक्रमण संबंधी वर्तमान चरण में आँगनबाड़ी सेविकाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उपलब्ध आँकड़ोकेआधार पर संक्रमण को नियंत्रित रखने के जिन उपायों को विशेषज्ञों द्वारा सर्वाधिक कारगर करार दिया जाता है उनमें जाँच द्वारा प्रारंभिक चरण में ही संक्रमित व्यक्ति की पहचान सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बड़ी जनसंख्या और स्वास्थ्य सुविधाओं के व्यवस्थित केन्द्रों की अपर्याप्ता की विद्यमान स्थिति में स्क्रीनिंग का प्रशिक्षण पाचुकी इन सेविकाओं को व्यक्तिगत सुरक्षात्मक किट (पी0पी0ई0) एवं ऑक्सोमीटर जैसे आवश्यक उपकरण उपलब्ध करा कर पोषक क्षेत्र में संक्रमितों की शीध्रातीशीध पहचान सफलतापूर्वक कराई जा सकती है। ऐसा करके संक्रमण की गंभीरता के अनुरूप चिकित्सा प्रबंधन करना सरल हो जाएगा। वैसे संक्रमित व्यक्ति जो अपने घर पर रहकर ही आवश्यक उपाय के जरिए संक्रमण मुक्त हो सकते है। उनका अनावश्यक दवाब सीमित साधन वाले स्वास्थ्य केन्द्रों पर नहीं होगा और अपेक्षाकृत गंभीर मरीजों की चिकित्सा का प्रबंधन बेहतर हो पाएगा।संक्रमण की रोकथाम और इसे नियंत्रित रखने की दृष्टि से दो गज की शारीरिक दूरी, मास्क का उपयोग, होम आईसोलेशन, हाथों की अच्छी तरह और बार–बार सफाई और वास स्थल के आस पास की साफ–सफाई को भी विशेषज्ञों ने काफी महत्वपूर्ण माना है और केस स्टडी एवं आँकड़ो के आधार पर इसे प्रमाणित किया है। वार्ड स्तर पर अथवा 200 (दो सौ) परिवार की जनसंख्या के बीच उपर्युक्त उपायों का अनुश्रवण यें प्रशिक्षित आँगनबाड़ी सेविकाए काफी कारगर ढ़ंग से कर सकती है।

निष्कर्ष

पोषक क्षेत्र की सर्वेक्षण सूची की पूर्व उपलब्धता के आधार पर विभिन्न आयु वर्ग की जनसंख्या और उनकी स्वास्थ्य संबंधी स्थिति से ये सेविकाएँ पूर्व से अवगत होती है। विभिन्न आयु वर्ग के चिन्हित व्यक्तियों के लिए संक्रमण के प्रति उनकी संवेदनशीलता के आधार पर आवश्यक निरोधात्मक उपाय और किए जाने वाले उपायों का अनुश्रवण प्राथमिकता के आधार ये सेविकाए अधिक व्यवहारिक और प्रभावी तरीके से कर सकती है। पल्स पोलियो सहित विभिन्न टीकाकरण अभियान तथा स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े विभिन्न कायक्रमों में अपनी प्रभावी भूमिका निभाकर इन सेविकाओं ने अपनी कार्य कुशलता, स्वीकार्यता और विश्वसनीयता को बार–बार सिद्ध किया है। कोविड–19 रूपी इस महामारी की रोकथाम में भी अब तक इनकी कारगर भूमिका रही है। इनकी भूमिका को और प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक है कि महामारी की संक्रामकता के विरूद्ध स्वयं को सुरक्षित रखने हेतु इन्हें आवश्यक साधन उपलब्ध कराया जाए। इन्हें भी कोरोना वारियर्स का दर्जा मिले और कोरोना वरियर्स के लिए सरकार के स्तर से घोषित योजनाओं में इन्हें भी आच्छादित किया जाए। आँगनबाड़ी सेविकाएँ और बुनियादी स्तर पर सक्रिय इनकी जैसी अन्य कार्यकर्तियों को कोरोना की रोकथाम में प्रभावी उपयोग कर बड़ी जनसंख्या को कोरोना संक्रमण के दुष्परिणाम से बचाया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *ताईवान सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (cdc.gov.tw/en) ।*
2. *सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंसन (cdc24/7:savinglifes,protecting people) ।*
3. *इंडिया टूडे दिनांक 24.03.2018 ।*
4. *हिंदुस्तान, दैनिक समाचार पत्र, मुजफ्फरपुर संस्करण दिनांक 26.08.2020, पृष्ठ संख्या– 15 ।*
5. *(icdsbih.gov.in/organisationalchart)*
6. *दैनिक भास्कर, समाचारपत्र, मुजफ्फरपुर संस्करण दिनांक 02.04.2020 ।*
7. *डब्लू0एच0ओ0, आई0एन0टी0 ।*
8. *ई0टी0, द इकॉनॉमिक्स टाईम्स ।*